



आनंदमयी कविता



QRickit

0222CH22

चार दिशाएँ

उगता सूरज जिधर सामने
उधर खड़े हो मुँह करके तुम
ठीक सामने पूरब होता
और पीठ पीछे है पश्चिम
बायीं ओर दिशा उत्तर की
दायीं ओर तुम्हारे दक्षिण
चार दिशाएँ होती हैं यों
पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण।

— साभार, यू.पी. बोर्ड एवं
एस.सी.ई.आर.टी., यू.पी.





बातचीत के लिए



1. आप दिशा का अनुमान कैसे लगाते हैं?
2. नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों से अपनी-अपनी कहानी बनाइए और कक्षा में सुनाइए।

आकाश ओले बादल जंगल मिलकर जानवर शेर
हाथी लोमड़ी डर सुबह खुशी-खुशी नाचना पहाड़



खेल-खेल में



एक गोले में बैठकर इस गतिविधि को कीजिए—

1. आपके दाईं ओर कौन-कौन से मित्र बैठे हैं?
2. आपके बाईं ओर कौन-कौन से मित्र बैठे हैं?
3. बाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं?
4. दाईं ओर से आप किस नंबर पर हैं?



आइए, कुछ बनाएँ



छोटे समूहों में चारों दिशाओं के नाम लिखे हुए कार्ड्स बनाइए और दीवारों पर सही जगह लगाइए। चारों दिशाओं के लिए कुछ चित्र भी बनाइए।

